मुंबई में बिछने लगा देश का अत्याधुनिक जापानी ट्रैक

■ वसं, मुंबई : मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो के मार्ग पर जापानी ट्रैक बिछाने का कार्य आरंभ हो चुका है। ट्रैक बिछाने के लिए जापान से विशेष तौर पर विश्व की सबसे आधुनिक टैंक मंगवाई गई है। करीब 33.5 किमी लंबे मेट्रो-3 कॉरिडोर के लिए ट्रैक वेल्डिंग का काम 38 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है। कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच बन रहा कॉरिडोर सैकड़ों हेरिटेज इमारतों के नीचे से गुजर रहा है। इस कारण निर्माण कार्य के साथ ही ट्रैक के चयन के दौरान विशेष ऐहतियात बरती जा रही है।

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) के अनुसार, जमीन से करीब 20 से 25 मीटर नीचे मेट्रो के दौड़ने से इमारतों पर कोई असर नहीं हो, इसके लिए जापान से आधुनिक ट्रैक मंगवाए हैं। यह ट्रैक देश में मौजूद अन्य रेलवे ट्रैक से करीब 20 से 22 वीडीबी कम कंपन करता है। करीब 33.5 किमी मार्ग के लिए अप और डाउन दिशा को मिला कर कुल 66.07 किमी तक ट्रैक बिछाए जाने हैं। 5 मार्च से कॉरिडोर के मार्ग पर ट्रैक बिछाने के काम की शुरुआत कर दी गई

38 प्रतिशत वेल्डिंग वर्क पूरा

2.5 किमी तक ट्रैक बिछकर तैयार

थी। अब तक करीब 2.5 किमी तक ट्रैक बिछाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। पूरे मार्ग पर करीब 10,745 मीट्रिक टन ट्रैक का इस्तेमाल किया जाएगा। जापान से तीन खेप में ट्रैक समंदर के रास्ते मुंबई भेजे गए हैं। यह ट्रैक विश्व के सबसे हाइटेक रेल ट्रैक हैं। हाई अटेंयूएशन ली-वाइब्रेशन ट्रैक सिस्टम से बने यह ट्रैक भारत में पहली बार मेट्रो-3 कॉरिडोर के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं, जो देश में चल रही अन्य मेट्रो ट्रैक की तुलना में ट्रेन के गुजरने पर कम कंपन के साथ कम आवाज करेगा।

ऐसे बिछाया जा रहा है ट्रैक

मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो का ट्रैक बिछाने के लिए स्विटजरलैंड और अमेरिका से विशेष मशीनें मंगाई गई हैं। ट्रेन के कंपन को कंट्रोल करने के लिए स्विटजरलैंड से मशीन मंगाई गई है। इस तकनीक के जरिए भारत में पहली बार मेट्रो-3 कॉरिडोर के लिए अत्याधुनिक रेलवे ट्रैक तैयार किया जा रहा है। इस तकनीक से हाइवाइब्रेशन अटेन्यूएशन बुटेड स्लीपर बॉक्स का निर्माण किया जाएगा। कॉरिडोर के पूरे मार्ग पर 2,01,600 स्लीपर बॉक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। स्लीपर बॉक्स का निर्माण जल्द करने के लिए स्विटजरलैंड की दो मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह मशीन हर महीने 12 हजार स्लीपर बॉक्स का निर्माण कर रही है।

जापानी ट्रैक को हाइटेक तरीके से वेल्डिंग करने के लिए अमेरिका से फ्लेश बट ऑटोमैटिक वेल्डिंग मशीन है। यह मशीन 340 फ्लैश वॉल्टेज व 420 बुस्ट वोल्टेज का इस्तेमाल कर अलॉइनिंग, प्री-हिटिंग, फ्लेशिंग, फोरजिंग, स्ट्रीपिंग व एयर क्वेंचिंग इस प्रक्रिया का उपयोग कर पटरियों को जोड़ने का काम करती है। मेट्रो-3 कॉरिडोर का करीब 96 प्रतिशत तक टनलिंग का काम पूरा कर लिया गया है।